



सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ૩૮૦૦૦૪.

सत्संग प्रवीण - ૨

रविवार, ૪ જુલाई, ૨૦૧૦

समय : દોપહર ૨.૦૦ સે ૫.૦૦

કुल ગુણ : ૧૦૦



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है। कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए।

| मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्रश्न नंबर (गुण) | प्राप्तांक |
|-------------------------------|------------------------|------------|
| | ૧ (૯) | |
| | ૨ (૯) | |
| | ૩ (૮) | |
| | ૪ (૬) | |
| | ૫ (૫) | |
| | ૬ (૫) | |
| | ૭ (૮) | |
| | ૮ (૬) | |

विभाग-૧, कुल गुण

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है
 दिनांक महिना वर्ष
 परीक्षार्थी का जन्म दिन

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर

| मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्रश्न नंबर (गुण) | प्राप्तांक |
|-------------------------------|------------------------|------------|
| | ૧ (૯) | |
| | ૧૦ (૯) | |
| | ૧૧ (૮) | |
| | ૧૨ (૬) | |
| | ૧૩ (૪) | |
| | ૧૪ (૮) | |

विभाग-૨, कुल गुण

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

| |
|-------------------------|
| ગુણ શાબ્દોમાં |
| ચેકર - નામ |

☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अવश्य पालन करें।

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है। कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए।
२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है।
३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें।
४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरक्षक के हस्ताक्षर करा लें।
५. बिना वर्ग निरक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी।
६. प्रश्न के गुण →

| | |
|---------|--|
| गुण : १ | |
|---------|--|

 ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह
७. परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें। पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखे गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी।
८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे।
९. परीक्षा खंड के बाहर और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी।
१०. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्यूट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी। एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी।
११. उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे।

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will be considered **NOT VALID**.
6. Marks for Question →

| | |
|--------|--|
| 1 Mark | |
|--------|--|

 ← Space for Examiner to write marks
7. Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.
11. Answers written on extra pages will not be considered valid.

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. “या तो वे भगवान नहि है, या फिर तुमने पहचानने में गलती की है।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

२. “तुम्हारा और हमारा क्या कुछ अलग है ?”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

३. “यदि हम सिर्फ जीवों के गुनाहों की ओर देखते रहे तो किसी का भी मोक्ष न होता।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. श्रीजीमहाराज ने भगुजी को शौचालय में फानस रखने भेजा।

२. बंधिया के जैन वणिक ने श्रीजीमहाराज की माफ़ी माँगी।

३. शांतिबा ने पिटारे का आधा भाग श्रीजीमहाराज की सेवा में समर्पित करने का संकल्प किया।

४. श्रीजीमहाराज ने रामबाई के पानी के घड़े में अपने चरण रखें।

()
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

गुण : ३

()

गुण : ३

()

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [१०] [४] [६] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए। (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. संप्रदाय के तीर्थस्थान । अथवा २. संप्रदाय का शास्त्र श्री हरिलीलाकल्पतरु ।

()

गुण : ४

३. स्वयंप्रकाशनंद स्वामी । अथवा ४. मछियाव की बुआजी ।

()

| | | | | |
|--------------|-------------|--|-------|--|
| सिर्फ मोडेशन | गुण : प्र-३ | | प्र-४ | |
|--------------|-------------|--|-------|--|

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ६)

१. पद्मासनधारी ब्रह्माजी किस वज्रह से निंदा को प्राप्त हुए ?

गुण : १

२. गुणातीतानंद स्वामी वचनामृत ग्रंथ के लिए क्या कहते हैं ?

गुण : १

३. राजाभाई ने पत्नी को पीहर भेजने के लिए क्या तरकीब की ?

गुण : १

४. नंद राजा ने किस को प्रसन्न करके अस्थि का टुकड़ा प्राप्त किया था ?

गुण : १

५. श्रीजीमहाराज ने देवलोक को अक्षरधाम के आगे कैसा कहा है ?

गुण : १

६. श्रीजीमहाराज को कौन से आठ सच्छास्त्र प्रिय हैं ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ वचनामृत गढ़ा प्रथम प्रकरण - २२ का विवरण लिखिए। (कुल गुण : ५)

| | | | | |
|----------------------------------|-------------|--|-------|--|
| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | गुण : प्र-६ | | प्र-७ | |
|----------------------------------|-------------|--|-------|--|

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुसूप केवल पाँच सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ उसके नंबर लिखें । (कुल गुण : ५)

विषय : जेतलपुर की गणिका ।

१. श्रीजीमहाराज ने आशीर्वाद दिया की तुम्हारा मुक्तानंद स्वामी जैसा कल्याण होगा । २. इस पानी के घडे में आप अपने चरण का स्पर्श कीजिए । ३. तुम उस पानी का क्या करोगी ? ४. सारी रात जागकर अपने हाथों से गेहूँ पीसकर श्रीजीमहाराज के पास पहुँच गई । ५. अपने हाथों से पीसोगी तो अवश्य देंगे । ६. गोपालानंद स्वामी के ये वचन सुनकर अग्नि प्रज्वलित हो गई । ७. आप धन्य हैं, जो महाराज की ऐसी महिमा समझती हो । ८. आप यह गेहूँ सभी को पीसने के लिए देते हो ? ९. जेतलपुर के अहिंसक यज्ञ में असंख्य ब्राह्मणों को भोजन देने के लिए श्रीजीमहाराज ने घर-घर डेढ़ दो मन गेहूँ पीसने के लिए दिए । १०. आज तो मेरे गाँव में पधारिए, मेरा घर पावन कीजिए ।

केवल नंबर -

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ७ निम्नलिखित पंक्ति को पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. वहाला तारु रूप अनुपम

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

रंगचौल छे रे लोल ॥ गुण : २

२. पंचरंगी पुष्पनां

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

सर्व कष्ट हरता ॥ गुण : २

३. पछी बोलिया

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

मानी वात ॥ गुण : २

४. समरु प्रगट रूप

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

नेति कहे रे लोल ॥ गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित जनमंगलस्तोत्रम् / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ६)

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्री घनश्यामाय नम :

.....
.....
.....

ॐ श्री कालीभैरवाधतिभीषणाय नम : || गुण : २

२. बाह्यान्त :

.....
.....
.....

शरणं प्रपद्ये ॥ गुण : २

३. कामार्तस्कर शरणं प्रपद्ये ॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

.....
.....
.....

गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [कृष्ण] [] [शूल] [कृष्ण] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : गुणातीतानन्द स्वामी

प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “चट्टान के नीचे यदि अपना हाथ आ जाए तो उसे धीरे धीरे संभालकर निकालना चाहिए ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

२. “जिसने महाराज के दर्शन किए हो उसको याद आए ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

३. “हम तो शास्त्रों को ऊँचे लटका रखते हैं समझे !”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [कृष्ण] [] [शूल] [कृष्ण] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. गुणातीतानंद स्वामी की ब्रह्मस्थिति की मुक्तानंद स्वामी ने खूब सराहना की है ।
२. सत्पुरुष के वचन में विश्वास रखना बहुत कठिन है ।
३. बहाऊद्दीन रंक से राजा बन गए ।
४. स्वामी ने महाराज के महिमा की बातें करने का निश्चय कर लिया ।

()

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३

()

.....

गुण : ३

()

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. भक्त वत्सल । २. जीव का ऊलटा स्वभाव । ३. बाजारु काँटे ।

()

गुण : ४

()

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

| | |
|---------|--|
| गुण : ४ | |
|---------|--|

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [] [] [] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ६)

१. स्वामी ने कारियाणी में कितने बीमार संतों की सेवा की ?

| | |
|---------|--|
| गुण : १ | |
|---------|--|

२. गुणातीतानंद स्वामी की सेवा से प्रसन्न होकर देवानंद स्वामी कौनसी दो चीज़ें करने तैयार हुए ?

| | |
|---------|--|
| गुण : १ | |
|---------|--|

३. रामानंद स्वामी ने भोलानाथ को क्या आशीर्वाद दिया ?

| | |
|---------|--|
| गुण : १ | |
|---------|--|

४. जूनागढ़ मंदिर करने हेतु किसने जमीन दी ?

| | |
|---------|--|
| गुण : १ | |
|---------|--|

५. गुणातीतानंद स्वामी ने ग्रंथियाँ मिटाने का वचन किसको दिया ?

| | |
|---------|--|
| गुण : १ | |
|---------|--|

६. सूर्य का अवतार कौन कहलाते थे ?

| | |
|---------|--|
| गुण : १ | |
|---------|--|

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [४] [४] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१३ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए ।

(बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ४)

१. सेवा करे वही महंत ।
२. बेटी का बाप ! महाराज को क्यों पकड़ा है ? छोड़ दो ।
३. चिथड़ो में लपेटा हुआ रत्न ।

()

भावार्थ :

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१४ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. करसन बांधिया।

गुण : २

- (१) इसमें से हरिभक्तों को भोजन करवाना। (२) यह वर्ष दुर्बल है।
 (३) हरिभक्त दान नहीं कर पाएँगे। (४) इसमें से एक मुहर भी कम नहीं होना चाहिए।

२. गोलाकार में भोजन।

गुण : २

- (१) मेरी मूर्ति का ही स्वाद लेते हैं। (२) बीस सदगुरुओं को भोजन का निमंत्रण।
 (३) पात्र में तीन लड्डू रख दिए। (४) अपना सामर्थ्य छिपाकर रहते हैं।

३. स्वामी उपशम स्थिति में।

गुण : २

- (१) स्वामी गुम्बज में बैठे थे। (२) पांच दिन के बाद स्वामी जागे।
 (३) आप सब के मन मेरे प्रति स्थिर हो गया है। (४) हे राजा रहुगण, तू अकोविद हो।

४. मावा मुसा की कंपनी।

गुण : २

- (१) आशीर्वाद से दारिद्र्य मिट गया। (२) खंभात में बड़ा कोन्ट्राक्ट मिला।
 (३) माँ ने पैसे दे दिए। (४) लंडन मंदिर में सेवा की।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**